बेहतर कल की ओर

पिछले पाँच वर्षों से मिल रही चुनौतियों से पार पाते हुए आईडीबीआई बैंक ने गहन बदलाव की पटकथा लिखते हुए बैंकिंग परिदृश्य के एक सशक्त उम्मीदवार के रूप में उभरने में सफलता पाई है. बैंक अपनी बहु-आयामी रणनीति के तहत लाभप्रदता हासिल करने और अपने हितधारकों के लिए मूल्य सृजन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ना चाहता है. अपनी आकर्षक पेशकशों और बेहतरीन ग्राहक सेवा से सुसज्जित इस रणनीति के साथ बैंक भावी अवसरों का लाभ उठाते हुए बेहतर कल की ओर देख रहा है.

हाल ही में गुजरा यह साल आईडीबीआई बैंक की राह में मील का पत्थर साबित हुआ है, क्योंकि लगातार पाँच साल तक हानि उठाने के बाद अब इसने एक बार फिर मुनाफा दर्ज किया है. कोविड-19 सहित कई प्रकार की कठिन चुनौतियों का सामना करने के बावजूद बैंक अपनी रणनीति पर कायम रहा और अपने हितधारकों के मूल्य संवर्धन के अपने घोषित लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ता रहा.

अपनी शक्ति को पहचानते हुए बैंक अपने संगठित प्रयासों के जरिए एक सशक्त, सुगठित और सुदृढ़ संस्था बनने की दिशा में पूरे विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है. इसके हितधारकों ने बैंक पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरते हुए यह बैंकिंग जगत के प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी जगह पक्की करना चाहता है.

आईडीबीआई बैंक के पास इस देश की उन्नति में साझेदारी की विरासत है. ऐसे समय में, जब मानवता को सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का सामना करना पड़ा है, बैंक वित्तीय और गैर-वित्तीय हस्तक्षेप के जरिए लोगों के जीवन में बदलाव लाने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराता है. अपनी ब्रांड प्रतिज्ञा *'बैंक ऐसा, दोस्त जैसा'* को सार्थक करते हुए बैंक अपने हितधारकों के साथ खड़ा होने के साथ-साथ समाज की बेहतरी के लिए अपना योगदान देता रहेगा ताकि सभी के लिए बेहतर कल सुनिश्चित किया जा सके.